तीर्थङ्कर की माता के 16 स्वप्न

1

ऐरावत हाथी

बालक सर्वोच्च माननीय उत्तम पुत्र होगा।

2

श्वेत वृषभ

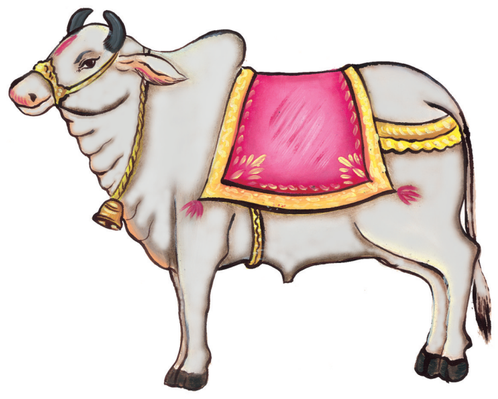

बालक धर्मधुरी को धारण करने वाला होगा।

3

केशरी (सिंह)

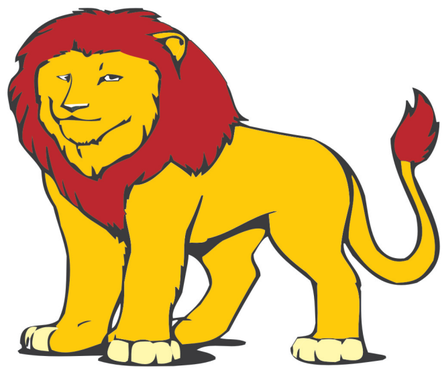

बालक अनन्त बल का धारी होगा।

4

लक्ष्मी

बालक सुमेरु पर्वत पर इन्द्रों द्वारा अभिषिक्त होगा।

5

पुष्प मालाएँ

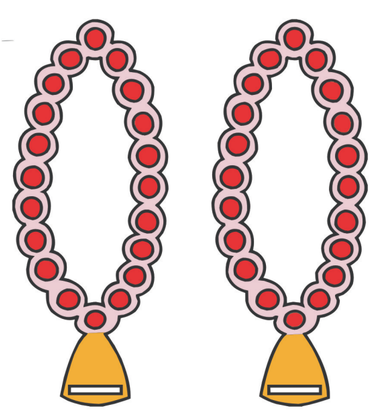

बालक समीचीन धर्म प्रवर्तक होगा।

6

पूर्ण चन्द्रबिम्ब

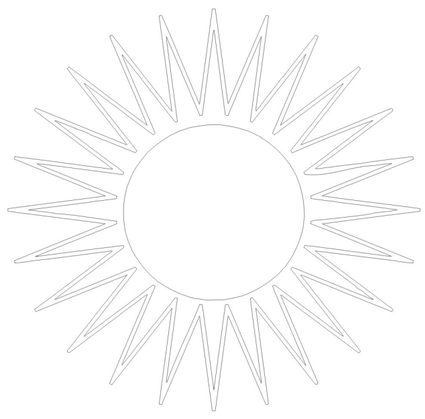

बालक सर्वजन सन्तापहारी, आनन्दकारी होगा।

7

उदित होता सूर्य

बालक महाप्रतापी होगा।

8

मीन युगल

बालक विविध सुखों का भोक्ता होगा।

9

दो स्वर्ण कलश

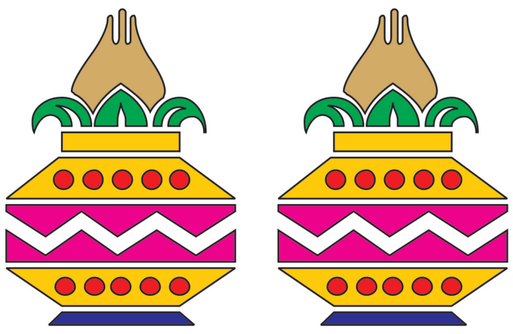

बालक विविध निधियों (वैभव) का स्वामी होगा।

10

कमलों से शोभित सरोवर

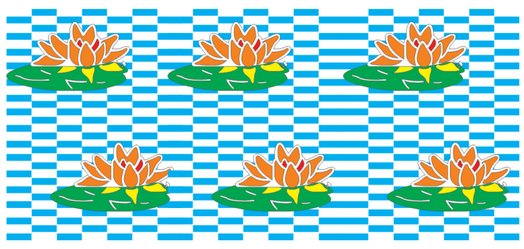

बालक 1008 लक्षणों से सुशोभित होगा।

11

गम्भीर समुद्र

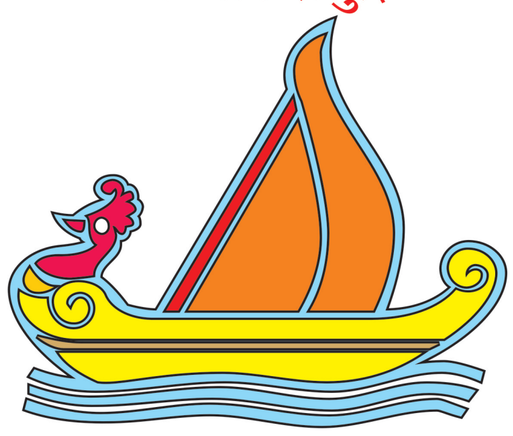

बालक केवलज्ञान को प्राप्त करने वाला होगा।

12

सुन्दर सिंहासन

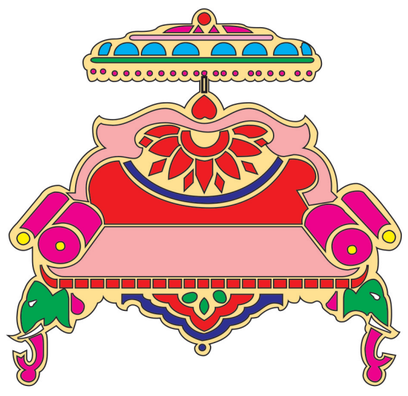

बालक जगद् गुरु होकर साम्राज्य प्राप्त करेगा।

13

सुशोभित विमान

बालक स्वर्ग से अवतरित होगा।

14

धरणेन्द्र का भवन

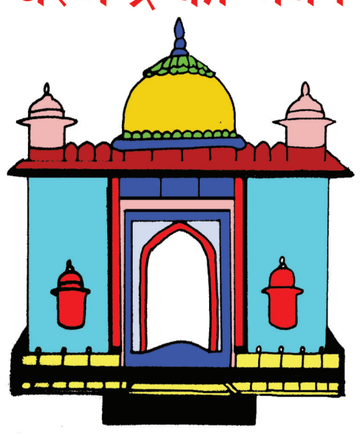

बालक अवधिज्ञान से युक्त होगा।

15

चमकते रत्नों की राशि

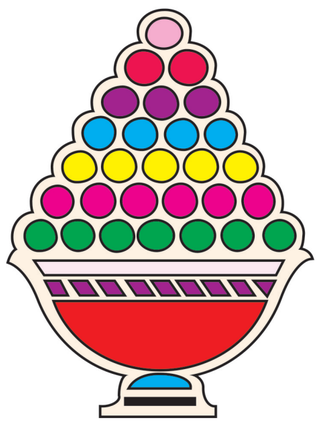

बालक अनेक गुणों की खान होगा।

16

निर्धूम अग्नि

बालक कर्मों का नाश करने वाला होगा।

प्रकाशक : धर्मोदय परीक्षा बोर्ड, सागर 9424951771 www.jaindharmodaya.com